आइआइएम रांची का 13वां स्थापना दिवस समारोह

आइआइएम सिर्फ प्रोफेशनल मैनेजमेंट ही नहीं, बल्कि अच्छे और जिम्मेदार इंसान बनाने की भी कोशिश करे : राज्यपाल

लाइफ रिपोर्टर @रांची

राज्यपाल रमेश बैस ने कहा है कि उच्च कोटि के संस्थान जिस राज्य में होते हैं, वह उस राज्य के लिए गौरव की बात होती है. देश के अग्रणी शिक्षण संस्थान आइआइएम का दायित्व है कि वह छात्रों को ऐसी मूल्यवान शिक्षा दे, जो उन्हें समाज व राष्ट्रहित में नैतिक निर्णय लेने के लिए प्रेरित करे. संस्थान सिर्फ प्रोफेशनल मैनेजमेंट को तैयार करने तक ही सीमित न रहे, बल्कि हमेशा अच्छे और जिम्मेदार इंसान बनाने के लिए भी प्रयासरत रहे. उम्मीद है कि आइआइएम के माध्यम से राज्य को प्रोफेशनल मैनेजमेंट, अंतरराष्ट्रीय ख्याति के शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं को तैयार करने में पूरा सहयोग मिलेगा. राज्यपाल बुधवार को आइआइएम रांची के नये परिसर में 13वें स्थापना दिवस समारोह में बोल रहे थे. इस दौरान राज्यपाल ने संस्थान के लाइब्रेरी और रेखी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर द साइंस ऑफ हैप्पीनेस का भी उदघाटन किया. साथ ही पुस्तक का लोकार्पण किया.

छात्र दे सकते हैं झारखंड के विकास को ऊंचाई

राज्यपाल ने कहा कि यह संस्थान ऐसी गतिविधियों को भविष्य में भी जारी रखेगा, जिससे कृषि-व्यवसाय, पर्यटन, चिकित्सा, हस्तशिल्प, खनन, लोहा व इस्पात उद्योग एवं स्थानीय व्यवसाय भी लाभान्वित होंगे. छात्र अपनी दक्षता से प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर झारखंड की विकास यात्रा को नयी ऊंचाइयां दे सकते हैं. उन्होंने कहा कि खुशी की बात है कि इस संस्थान ने बिरसा मुंडा जनजातीय मामलों के केंद्र की स्थापना की है. हैप्पीनेस सेंटर और प्रिंसिपल्स फॉर रिस्पांसिबल मैनेजमेंट एजुकेशन से जुड़ना भी सराहनीय कदम है. आइआइएम के अध्यक्ष प्रवीण शंकर पांड्या ने कहा कि संस्थान राज्य के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए कृतसंकल्प है. इससे पूर्व निदेशक डॉ शैलेंद्र कुमार सिंह ने सबका स्वागत किया. इस दौरान विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश किये.

Prabhat Khabar, 16.12.2021, Pg. 07